

U.G. 2nd Semester Examination - 2022

SANSKRIT

[HONOURS]

Generic Elective Course (GE)

Course Code : SANH-GE-T-02

Full Marks : 60

Time : 2½ Hours

*The figures in the right-hand margin indicate marks.**Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.*

1. Answer any ten questions: 2×10=20

যে-কোনো দশটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

a) Which type of prose-romance is 'कादम्बरी'? Who were the hero and heroine of this text?

‘कादम्बरी’ কোন্ শ্রেণীর গদ্যকাব্য? এই কাব্যের নায়ক-নায়িকা কে ছিলেন?

b) What is 'अरिषड्वर्गः'? What is 'उपायाः'?

‘अरिषड्वर्ग’ কি? ‘उपाया’ কি?

c) What is the origin of 'विश्रुतचरितम्'? Who composed this?

‘विश्रुतचरितम्’-এর উৎস কি? এটি কার রচনা?

d) Who was 'पुण्यवर्मा'? What were the four गुण-s of him?

‘पुण्यवर्मा’ কে ছিলেন? তাঁর চারটি গুণ কি কি ছিল?

e) Who was actually 'अष्टवर्षदेशीयबालकः'?

‘अष्टवर्षदेशीयबालकः’ প্রকৃতপক্ষে কে ছিল?

f) Who composed 'कादम्बरी'? Write another composition of him?

‘कादम्बरी’ কে রচনা করেন? তাঁর অপর একটি রচনার নাম লেখ।

g) Who was 'चन्द्रापीडः'?

‘चन्द्रापीडः’ কে ছিলেন?

h) Explain—“विरला हि तेषामुपदेष्टारः”।

ব্যাখ্যা কর—“विरला हि तेषामुपदेष्टारः”।

i) Write the name of the two commentators of 'कादम्बरी'।

‘कादम्बरी’ কাব্যের দুইজন টীকাকারের নাম লেখ।

j) How many types of गद्य-काव्य-s are there according to 'अग्निपुराण'? What are they?

अग्निपुराणानुसারে গদ্যকাব্যের ভেদ ক’টি? সেগুলি কি কি?

k) What is meant by 'पारिजातः'?

‘पारिजात’ বলতে কি বোঝ?

- l) Write the meaning of निष्कलः and अटवी।
निष्कलः ও অটবী শব্দের অর্থ কি?
- m) Who were 'विशालाक्षः' and 'बाहुदन्तीपुत्र' according to your text?
তোমার পাঠ্য অনুসারে 'বিশালাক্ষঃ' ও 'বাহুদন্তীপুত্র' কে ছিলেন?
- n) Who composed 'तिलकमञ्जरी'? Under whose patronage the text was composed?
'তিলকমঞ্জরী' কে রচনা করেন? কার পৃষ্ঠপোষকতায় গ্রন্থটি রচিত হয়?
- o) Who composed 'वेतालपञ्चविंशतिः'? How many chapters are there in the text?
'বেতালপঞ্চবিংশতি' - কার রচনা? এ গ্রন্থে কয়টি অধ্যায় আছে?

2. Answer any **four** of the following questions:

$$5 \times 4 = 20$$

নিম্নলিখিত যে-কোনো চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

- a) Write short note on 'पञ्चतन्त्रम्'।
টীকা লেখ :- 'পঞ্চতন্ত্রম্'।
- b) Write short note on 'हर्षचरितम्'।
টীকা লেখ :- 'হর্ষচরিতম্'।

c) Translate into Bengali or English:

বাংলা অথবা ইংরাজীতে অনুবাদ কর :

उत्थितेन च राज्ञा क्षालिताक्षालिते मुखे मुष्टिमर्धमुष्टिं वाऽऽशयन्तरीकृत्य कृत्स्नमायव्ययजातमहः प्रथमेऽष्टमे भागे श्रोतव्यम्। श्रुन्वत एवास्य द्विगुणमपहरन्ति तेऽध्यक्षधूर्ताः। चत्वारिंशत् चाणक्योपदिष्टानाहारणोपायान् सहस्रधात्मबुद्धैव ते विकल्पयितारः। द्वितीयेऽन्योन्यं विवदमानानां प्रजानामाक्रोशाद्दह्यमानकर्णकष्टं जीवति।

d) Translate into Bengali or English:

বাংলা অথবা ইংরাজীতে অনুবাদ কর :

गुरुवचनमपि सलिलमिव महदुपजनयति श्रवणस्थितं शूलमभ्यस्य। इतरस्य तु करिण इव शङ्खाभरणमानन-शीभासमुदयमधिकतरमुपजनयति। हरति च सकलमति मलिनमप्यन्धकारमिव दोषजातं प्रदोषसमचनिशाकर इव गुरुपदेशः प्रशमहेतुर्वयः परिणाम इव पलितरूपेण शिरसिजजालममलीकुर्वन् गुणरूपेण तदेव परिणमयति।

e) Explain with context any **one** of the following into Sanskrit or English or Bengali:

যে-কোনো একটি সংস্কৃত অথবা ইংরেজী অথবা বাংলায় সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা কর :

- i) केवलञ्च निसर्गत एवाभानुभेद्यक्ष्मरत्नालोकच्छेद्यमप्रदी-पप्रभापनेयमतिगहनं तमो यौवनप्रभवम्।
- ii) आगमदीपदृष्टेन खल्वध्वना सुखेन वर्तते लोकयात्रा।

f) Discuss in brief the literary style of Daṇḍīn with special reference to the prescribed text of 'विश्रुतचरितम्'।

'विश्रुतचरितम्' पाठ्यांशानुसारे दण्डीर रचनाशैली सम्पर्के संक्षेपे लेख।

3. Answer any **two** of the following into Bengali or English: 10×2=20

যে-কোনো দুটি প্রশ্নের বাংলা অথবা ইংরাজীতে উত্তর দাও :

a) Narrate the restlessness of लक्ष्मी according to the statement of शुकनाशः।

शुकनाशेर् मतानुसारे लक्ष्मीर चण्डलतार वर्णना दाओ।

b) Critically discuss the remark: 'वाणीच्छिष्टं जगत् सर्वम्'।

উক্তিটির যথার্থতা নির্ণয় কর :- 'वाणीच्छिष्टं जगत् सर्वम्'।

c) Who was 'अनन्तवर्मा'? Who was वसुरक्षितः? Discuss the advices of वसुरक्षितः to अनन्तवर्मा।

अनन्तवर्मा के छिलेन? वसुरक्षित के छिलेन? अनन्तवर्मार प्रति वसुरक्षितेर् उपदेशगुलि आलोचना कर।

d) Discuss the biography, poetic excellence and literary style of पण्डित-अम्बिकादत्तव्यासः।

पण्डित अम्बिकादत्त व्यासेर् जीवनी कविकृति ओ साहित्यधारा सम्पर्के आलोचना कर।